श्री सुबोध कांत सहाय: कानून अभी भी है, लेकिन उसमें 16 कानूनों को एक करके इंटिग्रेटिड ला बनाया गया है। मैं समझता हूं कि अगले एक या दो महीनों में वह कानून अपने स्वरूप में आ जाएगा।

केन्द्रीय विद्यालयों का खोला जाना

*362. **श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने 11वीं पंचवर्षीय योजना में देश में नये केन्द्रीय विद्यालय खोलने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो इनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इनमें से कितने विद्यालयों को खोलने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है; और

(घ) इन विद्यालयों का निर्माण-कार्य कब तक पूरा हो जाएगा?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह): (क) से (घ): ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नए केन्द्रीय विद्यालय खोलने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

Opening of Kendriya Vidyalayas

†362. SHRI KRISHAN LAL BALMIKI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have decided to open new Kendriya Vidyalayas in the country during the Eleventh Five Year Plan;

(b) if so, the State-wise details thereof;

(c) the number of out of the above schools for which process of opening has been started; and

(d) by when the construction of these schools will be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) to (d) No decision has been taken regarding opening of new Kendriya Vidyalayas during the Eleventh Five Year Plan.

† Original notice of the question was received in Hindi.

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि: सभापति महोदय, मैं मंत्री जी के लिखित उत्तर से संतुष्ट नहीं हूं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, मुझे अखबारों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है कि पांच सालों में 1000 केन्द्रीय विद्यालय खोलने की घोषणा की गई है और उसके अनुसार 2004-05 एवं 2005-06 के दो वर्षों में केवल 34 केन्द्रीय विद्यालय खोले गए हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि 1000 केन्द्रीय विद्यालय कितने वर्षों में खोले जाएंगे, जबकि दो वर्ष में केवल 34 केन्द्रीय विद्यालय खोले गए हैं?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, केन्द्रीय विद्यालय के बारे में अखबार के अंदर जो भी बातें आ रही हैं, अभी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में नये केन्द्रीय विद्यालय खोलने के बारे में बात हो रही है, लेकिन कितने खुलेंगे या नहीं खुलेंगे, उस पर अभी कोई भी फैसला नहीं हुआ है। अलबत्ता जैसाकि आपने कहा, हम लोगों ने 34 नहीं बल्कि 50 नये केन्द्रीय विद्यालय सिविल सैक्टर में खोले हैं और उनको स्पैशल फोकस्ड डिस्ट्रिक्ट्स में खोला गया है। उसके अलावा भी 12 नये केन्द्रीय विद्यालय खोले गए हैं।

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि: सर, मेरा सप्लीमैंट्री क्वेश्चन है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिस तरह से राजस्थान से 6 केन्द्रीय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव आया और अब तक केवल एक ही विद्यालय खोला गया है। जैसीकि जानकारी है राजस्थान में 55 केन्द्रीय विद्यालय हैं और उनमें 405 पद अब तक अध्यापकों के खाली पड़े हुए हैं। उसी के संदर्भ में, मैं माननीय सभापति जी के माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि राजस्थान के केन्द्रीय विद्यालयों में अब तक अनुसूचित जाति के कितने छात्र और छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, राजस्थान में अभी 56 केन्द्रीय विद्यालय चल रहे थे। इस दफा 50 स्पेशल फोकस डिस्ट्रिक्ट में नये केन्द्रीय विद्यालय खोले गए हैं, उसमें एक दुंगेरपुर में केन्द्रीय विद्यालय खोला गया है। जहां तक शैड्यूल्ड कास्ट के बच्चों की पढ़ने की तादाद है, उसके बारे में, मैं आंकड़े आपके पास भिजवा दूंगा कि कितने शैड्यूल्ड कास्ट और शैड्यूल्ड ट्राइब्स के बच्चे पढ़ते हैं, क्योंकि यह आपके क्वेश्चन में नहीं था, इसलिए मैं इसका जबाव exact नहीं दे पाऊंगा। सभापति महोदय, मैं इसके बारे में जो exact numbers हैं, वह इनके पास भिजवा दूंगा। लेकिन एक नया केन्द्रीय विद्यालय जो स्पेशल फोकस डिस्ट्रिक्ट राजस्थान में है, उसमें खोला गया है।

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि: सर, मंत्री जी ने शिक्षकों के रिक्त पदों के बारे में कुछ नहीं बताया है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, शिक्षकों के बहुत सारे रिक्त पद हैं। कुछ मामलात कोर्ट में थे, अब वह तकरीबन तय हो गए हैं और जितने भी रिक्त पद हैं, उनको जल्दी से जल्दी भरा जाएगा।

SHRI V. NARAYANASAMY: Mr. Chairman, Sir, hon. Minister said that no decision had been taken. Sir, in the tribal areas in this country the Government policy is to open schools in the remote areas. The various State Governments have written to the Central Government to open Kendriya Vidyalayas because the quality of education is very good in Kendriya Vidyalayas. There is a demand from various State Governments to increase the number of Kendriya Vidyalayas in the tribal areas and in areas where the Scheduled Castes population is more because education is to be concentrated in rural areas also. Most of the Kendriya Vidyalayas are in the city. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Put your question. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYANASAMY: I am coming to the question. What is the proposal of the Government for opening Kendriya Vidyalayas in tribal areas and Scheduled Castes areas, and how many?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, मैंने स्पेशल फोकस डिस्ट्रिक्ट के बारे में माननीय सांसद महोदय को बताया है। जिन डिस्ट्रिक्ट्स में माइनारिटी concentration है, जहां शैड्यूल्ड कास्ट female लिटरेसी less than 10 percent है या फिर वैसे इलाके जो शैड्यूल्ड ट्राइब के जो शैड्यूल फाइव और सिक्स में आते हैं, ऐसी जगहों पर स्पेशल फोकस डिस्ट्रिक्ट मानकर के 50 सेंट्रल स्कूल खोले गए हैं। अब जो भी हमारे पास रिक्वेस्ट नये केन्द्रीय विद्यालय खोलने के लिए आएगी, पहले हम केन्द्रीय विद्यालय स्पेशल फोकस डिस्ट्रिक्ट में खोलेंगे और फिर दूसरी जगह पर खोले जाएंगे। लेकिन जहां तक सवाल पैदा होता है केन्द्रीय विद्यालय खोलने का, यह पहले से तय है कि जहां सेंट्रल गवर्नमेंट एम्पलाइज की तादाद कम से कम 500 हो और जहां पर ट्रांसफरेबल पोस्ट रखने वाले लोग हों, जो एक जगह से दूसरी जगह पर जाने वाले हों या फिर हमारा मिलिट्री बेस हो, पैरा मिलिट्री बेस हो, तो वहां पर इसको तरजीह दी जाती है। अब यह एक नया सिविल सेक्टर में भी, जो स्पेशल फोकस डिस्ट्रिक्ट्स हैं, जहां मॉइनारिटी, शैड्यूल्ड कास्ट की आबादी है और जहां वीमेंस के अंदर खासतौर से लिटरेसी कम है, वहां हम लोगों ने इसको शुरू किया है और जो नये केन्द्रीय विद्यालय आएंगे, वे पहले ऐसे जिलों में खोले जाएंगे।

SHRIMATI S.G. INDIRA: Sir, on seeing the answer, it is very limited. Kendriya Vidyalayas are giving priority to the Central Government employees in the State. But the State officials and local people also want to have admission in Kendriya Vidyalayas because, sometimes these private schools, which are having the Central Board syllabus, charge too much fee. Is there any specific reason that you have mentioned that no

decision has been taken? Is there any specific reason for not constituting more Kendriya Vidyalayas?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति महोदय, अभी तो 11वें प्लान पर डिस्कशन हो रहा है, बातचीत हो रही है और हम लोगों ने रिक्वैस्ट किया है, लेकिन जब तक annual plan में specific number हमारे पास नहीं आएगा, उससे पहले कहना बहुत मुश्किल है।

गरीबी रेखा से नीचे रहने वाला अल्पसंख्यक समुदाय

*363. **श्री अबू आसिम आजमी:** ††
श्री मोतिउर रहमान:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय की राज्यवार कुल जनसंख्या कितनी है;

(ख) देश में निम्न मध्य वर्ग से नीचे रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय की राज्यवार कुल जनसंख्या कितनी है; और

(ग) आगामी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने और उनकी प्रगति के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (श्री ए.आर. अंतुले): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) देश के केवल प्रमुख राज्यों में शहरी व ग्रामीण गरीबी-रेखा से नीचे रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है। (**नीचे देखिए**)

गरीबी-रेखा से नीचे रहने वाले व्यक्तियों की अनुरूप संख्या (लेकिन प्रतिशतता नहीं) उपलब्ध नहीं है।

(ख) निम्न मध्य वर्ग से नीचे रहने वाली जनसंख्या का अभी तक वर्गीकरण नहीं किया गया है।

(ग) सरकार, अल्पसंख्यकों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधान मंत्री का नया 15-सूत्री कार्यक्रम इस दिशा में एक प्रमुख कदम है। इसके अलावा, योजना आयोग द्वारा "अल्पसंख्यकों के सशक्तीकरण" पर गठित कार्य समूह की रिपोर्ट में अल्पसंख्यकों के शैक्षिक, सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए अनेक प्रस्ताव समाहित हैं।

---

†† सभा में यह प्रश्न श्री अबू आसिम आज़मी द्वारा पूछा गया।